दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 12 अगस्त 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक- 311

महत्वपूर्ण एवं खास

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष बनीं सोनिया गांधी

» राहुल का इस्तीफा मंजूर

नईदिल्ली (आरएनएस)। राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद से कांग्रेस के अध्यक्ष का पद लंबे समय से खाली पड़ा था. शनिवार को हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में राहुल गांधी का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है साथ ही पार्टी की पूर्व अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है. जल्द ही एआईसीसी का चुनाव होगा जिसमें पार्टी का स्थाई अध्यक्ष चुना जाएगा. स्थाई अध्यक्ष चुने जाने तक सोनिया गांधी ही पार्टी की कमान संभालेंगीं. बता दें सोनिया गांधी साल 1997 से लेकर 2017 तक पार्टी के अध्यक्ष पद पर रह चुकी हैं. पार्टी अध्यक्ष बने रहने से राहुल गांधी के साफ मना करने के बाद सीडब्ल्यूसी ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया. राहुल के नहीं मानने के बाद सीडब्ल्यूसी ने सोनिया को अंतरिम अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया गया. बैठक के बाद पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सीडब्लूसी की बैठक में सर्वसम्मति से तीन प्रस्ताव पारित हुए हैं. पहले प्रस्ताव में राहुल गांधी के नेतृत्व की तारीफ की गई. सुरजेवाला ने कहा कि राहुल गांधी ने भय और हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाई. दूसरे प्रस्ताव में राहुल गांधी को बतौर पार्टी प्रमुख चुना लेकिन राहुल ने विनम्रता से यह आग्रह ठुकरा दिया. इसके बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने पार्टी के नए पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने तक सोनिया गांधी को पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष चुना.

13 अगस्त को सोनभद्र में जनजातीय लोगों से मिलेंगी प्रियंका

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के उभा गांव में बीते महीने जातीय जनसंहार में मारे गए जनजातीय समुदाय के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए उभा जाएंगी। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि प्रियंका का दौरा मंगलवार को होगा। उन्होंने कहा कि वह (प्रियंका) गांव का दौरा करेंगी, जहां गोंड समुदाय के दस लोग जमीन विवाद से जुड़ी हिंसा में मारे गए थे। प्रियंका का यह दौरा पीड़ित परिवारों से मिलने जाने के दौरान उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में उन्हें हिरासत में लिए जाने के करीब तीन सप्ताह के बाद होगा। जिला प्रशासन द्वारा प्रियंका को चुनार किले में हिरासत में रखे जाने के एक दिन बाद जनजातीय समुदाय के सदस्य करीब 70 किलोमीटर चलकर प्रियंका गांधी से मिलने आए थे।

बच्चियों को कंधे पर बिठाकर किया रेस्क्यू

» बाढ़ से बचाने को पुलिसवाला बन गया हनुमान

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ का कहर लगातार बना हुआ है. भारी बारिश से गुजरात में अबतक 19 लोगों की जानें जा चुकी हैं. जलजमाव की वजह से रास्ते तक डूब चुके हैं. बाढ़ से प्रभावित लोगों को सेना, एनडीआरएफ और पुलिसकर्मी सुरक्षित जगहों पर ले जा रहे हैं. लोगों को रेस्क्यू कर बचाया जा रहा है. रेस्क्यू के एक वीडियो की काफी तारीफ हो रही है. इस वीडियो में गुजरात पुलिस का एक कॉन्स्टेबल बाढ़ में फंसी दो बच्चियों को कंधे में बिठाकर सुरक्षित स्थान पर ले जा रहा है. वो इन बच्चियों को कंधे पर बिठाकर डेढ़ किलोमीटर तक पानी के तेज बहाव के विरूद्ध चलते हुए सुरक्षित जगह पर पहुंचा रहे हैं. वीडियो में चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है. ये वीडियो गुजरात के मोरबी जिले का है. वीडियो में दिखने वाले पुलिस कॉन्स्टेबल का नाम पृथ्वीराज सिंह जडेजा है. वीडियो वायरल होने के बाद हर कोई जडेजा की तारीफ कर रहा है. केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में बाढ़ से स्थिति गंभीर बनी हुई है. अब तक बाढ़ और बारिश से 136 लोगों की मौत हो चुकी है.

बाढ़ और बारिश से अबतक 106 लोगों की मौत, कर्नाटक में बहीं रेल पटरियां

» मॉनसून का कोहराम

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश के कई राज्यों में बाढ़ और बारिश का कहर जारी है। केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में बाढ़ और बारिश से अबतक करीब 106 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं अकेले केरल में 42 और कर्नाटक में अबतक 24 लोगों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के कई जिले बाढ़ बारिश का प्रकोप झेल रहे हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के सांगली में बाढ़ के हालात ऐसे हैं कि जिन सड़कों पर गाड़ियां दौड़ती थीं वहां आज नाव चल रही है। हालांकि महाराष्ट्र के सांगली और कोल्हापुर में बाढ़ का पानी घट रहा है।

वहीं कर्नाटक में तेज बारिश की वजह से जिंदगी तो ठप हो ही गई है। रेलवे को भी बहुत नुकसान पहुंचा है। बारिश की वजह से कई जगह जमीन धंसने की खबरें आई है। इसकी वजह से ट्रेन की पटरियों पर मलबा भर गया है। नतीजतन कई रूट पर ट्रेनों की आवाजाही को रोकना पड़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सकलेशपुर और सुब्रमण्य स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुई है। बारिश की धार में रेलवे ट्रैक के नीचे की मिट्टी पूरी तरह से बह गई है। कई स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर कई टन मिट्टी गिरी हुई है। रेलवे ने इन पटरियों से मलबा हटाने का काम शुरू किया है, लेकिन लगातार बारिश से परेशानी हो रही है।

केरल में मूसलाधार बारिश का कहर अब भी जारी है और बाढ़, भूस्खलन और बारिश संबंधी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। वहीं, एक लाख से अधिक लोगों ने राहत शिविरों में पनाह ली है। 8 अगस्त से अभी तक बारिश संबंधी घटनाओं में कोझिकोड और मलप्पुरम में जिले में 20 और वायनाड में नौ लोगों की जान गई है।

राज्य के 988 राहत शिविरों में

1,07,699 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया। वायनाड से सबसे अधिक 24,990 लोगों ने इन शिविरों में पनाह ली है। अब भी कई लोगों के मलप्पुरम और वायनाड में हुए भूस्खलन के मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है। वहां राहत अभियान जारी है। वायनाड में लगातार बारिश के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहा है।

कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर शुक्रवार को बाढ़ की वजह से पानी भर गया था जिसके बाद आज तक उड़ानों का परिचालन बंद कर दिया गया था।

कर्नाटक में बारिश से राहत ना मिलने के कारण शनिवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई. राज्य में ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। राज्य में अभी तक बाढ़ और बारिश से संबंधित घटनाओं में 24 लोगों की मौत हो चुकी है। बेलागवी के अलावा बागलकोट, विजयपुरा, रायचुर, यादगीर, गडग, उत्तर कन्नड़, हावेरी, हुबली-धारवाड़, दक्षिण कन्नड़, चिकमंगलुरु और कोडागु बाढ़ और बारिश से प्रभावित जिले हैं.दावणगेरे जिले के तुंगभद्र में बाढ़ के कारण कई सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं।

दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रवती नदी के उफान पर होने के कारण पूरा पाणे मंगलुरू गांव जलमग्न हो गया। जिले में बंटवाल में कई मकान डूब गए जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री जनार्दन पुजारी का मकान भी शामिल है.हालांकि, पूर्व केंद्रीय मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को बचा लिया गया। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में चार हेलीकॉप्टरों को काम में लगाया गया है। कर्नाटक सरकार ने राज्य में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से 6000 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। राज्य में बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने कहा कि यह 45 सालों में सबसे बड़ी आपदा है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने केंद्र से राहत के तौर पर 3000 करोड़ रुपये मांगे हैं। येदियुरप्पा ने कहा कि एनडीआरएफ और सशस्त्र बलों के दल बचाव और राहत कार्यों में लगे हैं।

वहीं महाराष्ट्र के कोल्हापुर और सांगली जिलों में शनिवार को बाढ़ से थोड़ी राहत मिलने के संकेत दिखे और जलमग्न इलाकों से पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक जिलों से पानी पूरी तरह हटने में दो से तीन दिन का समय लगेगा।

कोल्हापुर और सांगली जिलों में नौसेना के 110 कर्मियों के साथ 26 टीमें और 26 नौकाएं राहत और बचाव अभियान में जुटी हैं और वे तब तक वहीं बने रहेंगे, जब तक बाढ़ की स्थिति में सुधार नहीं होता। भीषण बाढ़ की चपेट में आये कोल्हापुर, सांगली, सतारा, पुणे और शोलापुर जिलों से 2.85 से अधिक लोगों को निकाला गया है और शुक्रवार तक इन जिलों में बाढ़ की वजह से मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हो गयी।

गुजरात में आज सौराष्ट्र और कच्छ में बारिश का अनुमान है। बाढ़ बारिश के कारण अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राजकोट, वड़ोदरा और जामनगर में एक एक एनडीआरएफ की टीम को भेजा गया है. शनिवार को सीएम विजय रुपाणी ने समीक्षा बैठक की।

आईएसआई रच रही भारत पर अफगानी हमले की साजिश

» बकरीद पर भी अलर्ट

नईदिल्ली (आरएनएस)। खुफिया एजेंसियों ने देश में आतंकी हमले की चेतावनी दी है। सूत्रों के मुताबिक आईबी ने 15 अगस्त से पहले आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर लश्कर और जैश के आतंकी बड़े हमले की साजिश में जुटे हैं।

सूत्रों के मुताबिक हमले को अंजाम देने के लिए अफगानिस्तान के नागरिकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक दूसरे इंटेलिजेंस इनपुट के मुताबिक आतंकी संगठन आईएस के भारत मे मौजूद समर्थकों के जरिये बड़े पैमाने पर हमले की साजिश रच रहा है। सूत्रों के मुताबिक बकरीद की नमाज के दौरान हमले हो सकते हैं साथ ही 15 अगस्त से पहले आतंकियों के निशाने पर बड़े सरकारी प्रतिष्ठान हैं। इसके के अलावा ट्रांसपोर्ट नेटवर्क जैसे रेलवे, बस, मेट्रो और एयरपोर्ट भी आतंकियों के निशाने पर है।

जम्मू और कश्मीर पर केंद्र सरकार के फैसले के बाद पीओके में करीब दर्जन भर आतंकी शिविर सक्रिय हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद ने पीओके और जम्मू-कश्मीर से लगती सीमा पर दर्जन भर आतंकी शिविर सक्रिय कर दिए हैं।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद से आतंकी शिविरों में पिछले हफ्ते काफी ज्यादा गतिविधियां देखी गई थीं। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) से लगे पीओके क्षेत्र के कोटली, रावलकोट, बाघ और मुजफ्फराबाद में आतंकी शिविर प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तानी सेना के सहयोग से दोबारा सक्रिय हो गए हैं जिसे देखते हुए भारतीय सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने दो दिन पहले संसद के संयुक्त सत्र में बयान दिया था कि भारत में अब अगर पुलवामा जैसा हमला होता है तो इसके लिए इस्लामाबाद जिम्मेदार नहीं होगा। इमरान खान के बयान में प्रत्यक्ष तौर पर जैश-ए-मोहम्मद, और लश्कर-ए-तैयबा और आईएसआई के हैंडलर्स को प्रशिक्षण शिविर और लॉन्च पैड दोबारा सक्रिय करने के लिए खुली छूट दी गई है।

खुफिया रिपोर्ट्स में खुलासा हुआ है कि जेईएम, एलईटी और तालिबान के लगभग 150 सदस्य कथित तौर पर कोटली के निकट फागूश और कुंड शिविरों तथा मुजफ्फराबाद क्षेत्र में शवाई नल्लाह और अब्दुल्लाह बिन मसूद शिविरों में इकट्ठे हुए हैं. जेईएम प्रमुख मौलाना मसूद अजहर का भाई इब्राहिम अतहर भी पीओके क्षेत्र में देखा गया है।

रक्षा मंत्रालय में उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि इस समय घाटी में मौजूद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की. बैठक में इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक अरविंद कुमार, जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह और सेना के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। एनएसए ने जम्मू और कश्मीर पर सरकार के साहसिक निर्णयों के बाद सुरक्षा रणनीति तथा सीमा पार से आतंकी खतरों पर चर्चा की।

जम्मू एवं कश्मीर से 24 कैदी लखनऊ लाए गए

लखनऊ (आरएनएस)। जम्मू एवं कश्मीर से 24 कैदियों को यहां लखनऊ जिला जेल में स्थानांतरित किया गया है। इन कैदियों को आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

पिछले तीन दिनों में, जम्मू एवं कश्मीर की जेलों से 70 कैदियों को उत्तर प्रदेश की उच्च सुरक्षा वाली जेलों में स्थानांतरित किया गया है। गुरुवार को 26 कैदियों को आगरा जिला जेल में और शुक्रवार को 20 अन्य कैदियों को बरेली जिला जेल में भेजा गया था।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इन 24 कैदियों को विशेष विमान द्वारा लखनऊ लाया गया। यह विमान शनिवार शाम बख्शी का तालाब स्थित भारतीय वायु सेना के एयरबेस में उतरा।

यहां से उन्हें तीन उच्च सुरक्षा वाली गाड़ियों में गोसाइगंज क्षेत्र में स्थित जिला जेल ले जाया गया। गाड़ियों के साथ पर्याप्त पुलिस बल था।

एयरबेस से जेल तक के मार्ग पर रास्ते में इन उच्च सुरक्षा वाले वाहनों को रास्ता देने के लिए जगह-जगह पुलिस तैनात की गई थी। शनिवार को इससे पहले जिला प्रशासन ने भी जेल परिसर का दौरा कर वहां व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर से और कैदियों को भी उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सेंट्रल, नैनी सेंट्रल, प्रयागराज, वाराणसी सेंट्रल और गोरखपुर जेल में लाया जा सकता है।

पुलिस ने हालांकि कैदियों के बारे में जानकारी देने से इंकार कर दिया। पुलिस ने कहा कि इन कैदियों को वहां मौजूद सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा के बीच अलग बैरकों में रखा गया है।

एक अधिकारी ने कहा, लखनऊ जेल में लाए गए कैदी मुख्य रूप से ऐसे अलगाववादी संगठनों से हैं जो हिंसा, पत्थरबाजी तथा शांति भंग करने के मामलों में पकड़े गए हैं।

माना जा रहा है कि कैदियों को सुरक्षा कारणों से स्थानांतरित किया जा रहा है।

विदेशी शराब बनाने वाली कंपनी पर आयकर विभाग का छापा

» सात सौ करोड़ की अघोषित आय का खुलासा

नईदिल्ली (आरएनएस)। आयकर विभाग ने बीयर और विदेशी शराब बनाने वाली कंपनी के ठिकानों पर छापा मारा है। इस छापेमारी में आयकर विभाग को 700 करोड़ की अघोषित आय का पता चला है।

रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और गोवा में 6 अगस्त को छापा मारा था। आयकर विभाग ने इस कंपनी के 55 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

अब तक की तफ्तीश के मुताबिक इस कंपनी की 700 करोड़ रुपये की ऐसी आय का पता चला है कि जिसकी सरकार को जानकारी ही नहीं थी। ये कंपनी बीयर और विदेशी शराब बनाती है।

बता दें कि आईटी विभाग ने 6 अगस्त को ये छापेमारी की थी। आईटी विभाग ने तमिलनाडु में बीयर और भारतीय निर्मित विदेशी शराब (ढ्ढरूस्नरु) के प्रमुख उत्पादकों में से एक के मामले में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया था। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और गोवा के 55 स्थानों पर तलाशी की गई थी।

गौरतलब है कि आयकर विभाग देश के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर रहा है। शुक्रवार को असम में में आयकर विभाग की एक बड़ी टीम ने कई व्यापरियों के अलावा एक चार्टड अकाउंटेंट के यहां छापेमारी की। इस दौरान आयकर विभाग की टीम ने आय से संबंधित के दस्तावेज जब्त किए।

भारतीय सेना ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में बाढ़ राहत कार्य तेज किए

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में अपने बचाव और राहत कार्य तेज कर दिए हैं। केरल में राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए भारतीय सेना की 13 एक्स इंजीनियर टीम को हवाई मार्ग द्वारा केरल पहुंचाया गया है। अतिरिक्त इंजीनियर टीमों को भी तैयार रहने के लिए कहा गया है। महाराष्ट्र और केरल में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाये गये लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए 20 एक्स मेडिकल टीम को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। चार प्रभावित राज्यों के 17 जिलों में बाढ़ राहत और बचाव कार्यों के लिए 3000 से अधिक सैन्य कर्मियों को तैनात किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल एस.के. सैनी, अति विशिष्ट सेवा मेडल, युद्ध सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की।

अबतक लगभग 10,000 लोगों को बचाया गया है और 17,500 से अधिक व्यक्तियों को बाढ़ वाले क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन व्यक्तियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि अन्य जगहों पर फंसे लोगों को भोजन के पैकेट और पानी वितरित किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के लोगों की सहायता के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर -020 26357444 कार्यरत है। इसी तरह केरल के लोगों की सहायता के लिए त्रिवेंद्रम में विशेष हेल्पलाइन नंबर -0471-2352373 और 2353030 कार्यरत हैं। 10 अगस्त 2019 तक, कुल 09 राहत टीमें और 12 इंजीनियर टीमें महाराष्ट्र के कोल्हापुर और सांगली के बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान कर रही हैं, जबकि 33 राहत टीमें और 37 इंजीनियर टीमें कर्नाटक के बागलकोट, रायचूर, बेलगाम, कलबुर्गी और कोडागु जिले में बाढ़ राहत प्रदान कर रही हैं। केरल में 24 राहत टीमें और 21 इंजीनियर टीमें अलेप्पी, एर्नाकुलम, पत्तनमतिट्टा, इडुक्की, मलप्पुरम, वायनाड, कन्नूर और कोझीकोडु जिलों में बाढ़ राहत के लिए कार्यरत हैं, जबकि तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में 06 राहत टीमें तैनात की गई हैं।